जनवरी, फरवरी, मार्च
2026

|| एकल ||

भारत लोक शिक्षा परिषद्

(एकल अभियान से संबंधित)

विश्व का सर्वश्रेष्ठ सामाजिक शिक्षा संगठन

24 वां संस्करण

एकल संदेश-महिला विभाग

प्रशिक्षण विशेषांक

भारत लोक शिक्षा परिषद् द्वारा आयोजित केन्द्रीय कार्यशाला - प्राथमिक शिक्षा

दिनांक 15 से 17 मार्च 2026 तक भारत लोक शिक्षा परिषद् के राष्ट्रीय कार्यालय, पीतमपुरा में एकल अभियान की प्राथमिक शिक्षा पर केन्द्रीय कार्यशाला आयोजित हुई, जिसमें 13 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में श्री सुमन चन्द धीर जी, डॉ. ललन कुमार शर्मा जी, श्री जगदीश कुमार महाजन जी, श्री अखिल गुप्ता जी, श्री राजीव अग्रवाल जी एवं श्री दीप कुमार जी सहित कई अन्य गणमान्य बंधु शामिल हुए।

वक्ताओं ने गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, बौद्धिक विकास, मूल्यपरक शिक्षा एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उत्तराधिकारी तैयार करने पर बल दिया।

कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में प्रशिक्षण की गुणवत्ता, नवीन पाठ्यक्रम निर्माण, प्रवास की महत्ता, साप्ताहिक पाठशाला संचालन, आत्मरक्षा, भाषा शिक्षण, गणित, हस्तशिल्प, ई-शिक्षा एवं सामान्य ज्ञान जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

तीनों दिनों में कुल 17 सत्र आयोजित हुए, जिनमें प्रातः स्मरण, आरती एवं अन्य गतिविधियाँ भी सम्मिलित रहीं। केन्द्रीय शिक्षा प्रभारी श्री जगदीश कुमार महाजन जी ने वर्गाधिकारी के रूप में सभी सत्रों की अध्यक्षता एवं समीक्षा की।

श्री ओम प्रकाश शर्मा जी ने एकल विद्यालय की उपयोगिता बताते हुए कहा कि आज के 50 वर्ष पूर्व के बच्चे आज्ञापालक होते थे, उसके 10 वर्ष बाद के बच्चे वार्तालाप करके बात को मानते थे, उसके 10 वर्ष बाद के बच्चे तर्क वितर्क के बाद कोई चीज स्वीकार करते थे पर उसके बाद के बच्चे AI युग के हो गये हैं, उनको अपनी बात मनवाने के लिए हमें अच्छी तैयारी करनी होगी।

समापन सत्र की अध्यक्षता श्री विजय कुमार गुप्ता जी ने की जिसमें कई गणमान्य उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण - प्राथमिक शिक्षा

किसी भी कार्य में निपुणता प्राप्त करने हेतु प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। एकल अभियान में भी इसका बहुत महत्व है। हमें एकल विद्यालय में आचार्य को उसी गाँव से ही चयन करना पड़ता है। सामान्यतः कक्षा 12 पास आचार्य नियुक्त किए जाते हैं।
अतः हमें उनके प्रशिक्षण हेतु ऊपर से लेकर नीचे तक की एक संरचना खड़ी करनी पड़ती है।

वर्ग का नाम	अपेक्षित	प्रशिक्षक	संयोजक	स्तर	अवधि
केन्द्रीय कार्यशाला	केन्द्रीय प्रशिक्षण टोली	विद्वत परिषद्	केन्द्रीय प्रशिक्षण प्रमुख	केन्द्र	3 दिन
नैष्णात्य वर्ग	प्रभाग एवं संभाग प्रशिक्षक	केन्द्रीय प्रशिक्षण टोली	केन्द्रीय प्रशिक्षण प्रमुख	केन्द्र	5 दिन
नैपुण्य वर्ग	भाग एवं अंचल प्रशिक्षक	प्रभाग एवं संभाग प्रशिक्षक	केन्द्रीय प्रशिक्षण टोली	प्रभाग	7 दिन
क्षमता विकास वर्ग	संच प्रशिक्षक	भाग एवं अंचल प्रशिक्षक	प्रभाग प्रशिक्षक	संभाग	7 दिन
चयन वर्ग	नवीन आचार्य	भाग एवं अंचल प्रशिक्षक	संभाग / भाग प्रशिक्षक	भाग / अंचल	3 दिन
प्रारम्भिक वर्ग	नवीन आचार्य	संच प्रशिक्षक/ प्रशिक्षक आचार्य	संभाग / भाग प्रशिक्षक	भाग / अंचल	10 दिन
वार्षिक अभ्यास वर्ग	पुराने आचार्य	संच प्रशिक्षक/ प्रशिक्षक आचार्य	संभाग / भाग प्रशिक्षक	अंचल	5 दिन
मासिक अभ्यास वर्ग	संच के समस्त आचार्य	संच प्रशिक्षक / प्रशिक्षक आचार्य	अंचल प्रशिक्षक	संच	एक तिहाई संचों में प्रत्येक तीसरे माह में
मासिक समीक्षा बैठक	संच के समस्त आचार्य	संच प्रशिक्षक / प्रशिक्षक आचार्य	अंचल प्रशिक्षक	संच	तीन चौथाई संचों में लगातार तीन माह तक

केंद्र से आचार्य तक प्रशिक्षण

- प्रत्येक तीसरे माह 1/3 संचों (वर्ष में 4 बार) में 30 घंटे का मासिक अभ्यास वर्ग होगा।
- शेष सभी संचों में 06 घंटे की मासिक समीक्षा बैठक होगी।

प्रशिक्षण – आरोग्य शिक्षा

स्वरूप-

गांव के लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो इस हेतु निम्नलिखित प्रारंभिक कार्य गांव में----

- गांव के प्रत्येक परिवार में तुलसी पौधा।
- सोख पिट का निर्माण।
- हर घर में लोहे की कढ़ाई का प्रयोग।
- योग केंद्र युवा वर्ग (शक्ति केंद्र) का संचालन।
- योग केंद्र महिला वर्ग (संस्कार केंद्र) का संचालन।
- ग्रामवैद्य योजना के संचालन हेतु एक महिला व एक पुरूष ग्रामवैद्य के रूप में तैयार करना।

विषय –

- प्राथमिक चिकित्सा
- सेनिटेशन
- एनीमिया
- पोषण
- कुपोषण
- घरेलू चिकित्सा व पोषण वाटिका
- टेली मेडिसीन
- आई वैन
- जैविक पोर्टा क्लीनिक
- सरकारी योजनायें

प्रशिक्षण – विकास शिक्षा

विषय –

- पोषण वाटिका प्रशिक्षक
- जैविक खेती प्रशिक्षक
- कम्प्यूटर प्रशिक्षक
- EOW प्रशिक्षक
- सिलाई प्रशिक्षिका
- इलेक्ट्रीशियन
- लाईब्रेरी
- ब्यूटीशियन...... आदि |

प्रशिक्षण – कार्यालय विभाग

प्रकार-
- केंद्रीय स्तर
- प्रभाग स्तर
- संभाग स्तर
- क्षमता विकास वर्ग
- समिति वर्ग
- मासिक वर्ग

केंद्रीय स्तर

विषय-
- MIS Database (KIF, SIF, SMIF, SKIF)
- PRP, BDP, DRW, JBR
- वार्षिक कार्य योजना

प्रभाग स्तर-

विषय-
- MIS Database (KIF, SIF, SMIF, SKIF)
- PRP, BDP, DRW, JBR
- वार्षिक कार्य योजना

संभाग स्तर-

विषय-
- प्रभाग स्तर के अनुसार

क्षमता विकास वर्ग-

विषय -
- अपेक्षित केंद्रीय, प्रभाग एवं संभाग टोली
- प्रशिक्षक सक्षम विभाग टोली
- अंतराल वर्ष में एक बार

समिति वर्ग -

विषय-
- MIS (MAR, MWR)

प्रशिक्षण – संस्कार शिक्षा

विषय –
- प्रभात फेरी
- प्रातः स्मरण एवं उपासना अभ्यास
- नवाह्न परायण
- आरती, स्तुति, भजन
- बौद्धिक
- शाखा
- संघ के प्राथमिक वर्ग का अभ्यास

प्रशिक्षण – महिला विभाग

सेवाव्रती महिलाएँ–

विषय–
- संगठन कला
- वर्ग आयोजन
- वर्ग संचालन
- महिला आरोग्य
- माँ यशोदा योजना
- स्नेह सम्पर्क परिवार

समिति सदस्य महिलाएँ –

विषय –
- महिला संगठन
- अंचल वर्ग
- राष्ट्रीय सम्मेलन
- महिला संगठन
- वैचारिक प्रबोधन
- वार्षिक योजना
- अंचल वर्ग
- स्वावलम्बन

- स्नेह सम्पर्क परिवार
- महिला आरोग्य
- माँ यशोदा योजना
- सेवाव्रती परिवार चिंता
- उपहार योजना

प्रशिक्षण – युवा विभाग

विषय –

शबरी बस्ती योजना के अंतर्गत –

- शबरी मित्र परिवार
- संच सर्वेक्षण
- क्रांति वीर योजना
- हनुमान परिवार योजना

- शक्ति प्रदर्शन योजना
- सामूहिक उत्सव पालन
- पाठशाला योजना
- खेल प्रतियोगिता
- साप्ताहिक सुंदर कांड पाठ
- शबरी बस्ती योजना

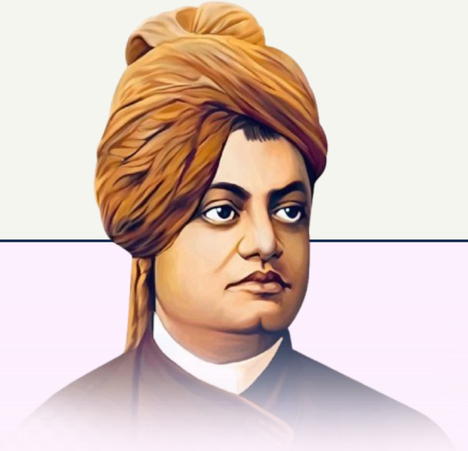

प्रेरक कहानी : आत्मविश्वास की विजय

राष्ट्रीय युवा दिवस, स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस के रूप में (12 जनवरी) को मनाया जाता है, जो हर युवा को अपने जीवन का उद्देश्य समझने और समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा देता है।

उनके जीवन की एक अत्यंत प्रेरक और सच्ची घटना Parliament of the World's Religions से जुड़ी है। जब स्वामी विवेकानंद जी अमेरिका के शिकागो पहुंचे, तब उनके पास न तो कोई बड़ा परिचय था और न ही पर्याप्त साधन। प्रारंभ में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, यहाँ तक कि उन्हें ठहरने की जगह भी आसानी से नहीं मिल रही थी।

लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अपने आत्मविश्वास और ज्ञान के बल पर वे उस विश्व धर्म सम्मेलन में पहुँचे। जब उन्होंने मंच से "Sisters and Brothers of America" कहकर अपना भाषण शुरू किया, तो पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। उनके शब्दों ने न केवल भारत का मान बढ़ाया, बल्कि पूरी दुनिया को भारतीय संस्कृति और आध्यात्म की गहराई से परिचित कराया।

यह सच्ची घटना हमें सिखाती है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि आत्मविश्वास और उद्देश्य स्पष्ट हो, तो सफलता निश्चित है। स्वामी विवेकानंद जी का जीवन हर युवा के लिए यह संदेश देता है कि खुद पर विश्वास करो, आगे बढ़ो और दुनिया में अपनी पहचान बनाओ।

समिति विस्तारक--सत्संग द्वारा

- प्रत्येक एकल गाँव में प्रतिदिन एकल विद्यालय चलता है जिसमें 30 विद्यार्थी भाग लेते हैं। इस प्रकार हमारा 20-30 परिवारों से नित्य का संपर्क रहता है। ये विद्यार्थी ही गांव में परिवर्तन के वाहक बनेंगे।
- सर्वप्रथम आचार्य प्रत्येक विद्यार्थी को माता पिता को प्रातः साष्टांग प्रणाम का आग्रह करेंगे।
- परिवार में यदि कोई नशा करता है तो, बच्चों को प्रेरित किया जाएगा कि वे अपने परिवार में पूर्णतः नशामुक्ति की दिशा में सकारात्मक प्रयास करें।
- विद्यालय द्वारा परिवारों को संस्कारों की शिक्षा दी जाती है। प्रत्येक विद्यार्थी से अपने माता-पिता को साप्ताहिक सत्संग में लाने का आग्रह किया जाता है, और जो विद्यार्थी इसमें सफल होता है, उसे सत्संग में सम्मानित किया जाता है।
- विद्यार्थियों के 20-30 परिवारों से आचार्य का घनिष्ठ संपर्क होता है। अतः आचार्य इन परिवारों में से 4-5 परिवारों के स्त्री या पुरुष को आग्रह पूर्वक निकट के गाँव में सत्संग विस्तार के लिए तैयार करता है और इस प्रकार के स्त्री पुरुष को समिति विस्तारक कहा जाता है जो निकट के गांवों में सत्संग विस्तार करते हैं।

हनुमान परिवार

- प्रत्येक सत्संग युक्त गाँव में प्रत्येक हिन्दू परिवार को हनुमान परिवार बनाने का लक्ष्य रखा गया है।
- परिवार में दिन में एक बार पूरे परिवार के साथ सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ करना होता है।
- परिवार के प्रत्येक युवा पुरुष तथा महिला की संख्या के अनुसार हनुमान ध्वजा रहना चाहिए। और यह झंडा इतना बड़ा होना चाहिए कि गाँव में सभी को झंडा दिखायी दे।
- प्रत्येक पूर्णमासी के दिन पूरे गांव की परिक्रमा का आयोजन होना चाहिए। जिसमें सामूहिक हनुमान चालीसा का गायन तथा सबके हाथ में हनुमान झंडा होना चाहिए।

ग्राम स्तर पर---समितियाँ

ग्राम संगठन का उद्देश्य है कि प्रत्येक गाँव की उन्नति का उत्तरदायित्व उसके ग्रामवासी ही स्वीकार करें। ग्राम समिति की 8 उपसमितियों को विषयानुसार कार्य का वितरण किया गया है।

एकल अभियान ने गाँवों में 8 प्रकार के सामाजिक परिवर्तन के लिए 8 प्रकार की उप समितियाँ ग्राम स्तर पर निर्मित करने का कार्य प्रारम्भ किया। प्रत्येक उप समिति में 7 कार्यकर्ता निर्धारित किये गये। इस प्रकार एक गाँव के 56 ग्रामवासियों को एकल के ध्येय से जोड़ा गया।

1. शिक्षा समिति-

इसका प्रथम कार्य एकल विद्यालय के आचार्य के अनुशासन व विद्यालय संचालन पर निगरानी रखना है। यह समिति ग्रामीण जागरण के कार्य हेतु सूचना के संवैधानिक अधिकार के बारे में जानकारी भी देती है, जिससे कि सरकारी विद्यालय के अध्यापक ठीक से शिक्षण कार्य करें।

2. आरोग्य समिति –

इसकी प्रमुख एक सक्रिय महिला होती है। उसे एकल द्वारा आरोग्य सेविका का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे कि वह गाँव में स्वास्थ्य औषधि के सामान्य नियमों का क्रियान्वयन कर सके। अभियान द्वारा प्रदान पेटिका से औषधियों का वितरण तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी सरकारी योजनायें जैसे आशा, आँगनबाड़ी तथा ए.एन.एम. के रूप में कार्यरत महिलाओं को सक्रिय करना और सरकारी योजनाओं को सुनिश्चित करना आरोग्य सेविका का कार्य है।

3. विकास समिति-

जैविक खेती तथा जल संरक्षण के लिए ग्रामवासियों को प्रोत्साहित करना इस समिति का प्रमुख कार्य है। इसके लिए एकल विद्यालय के बालकों को प्रारम्भ से ही जैविक खाद उत्पादन की विधि बताकर अभ्यास कराया जाता है।

4. जागरण समिति-

इसके अन्तर्गत सूचना के अधिकार का प्रयोग करना तथा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं जैसे- मनरेगा, वृद्धावस्था पेंशन, जन वितरण प्रणाली, मिड-डे मील आदि की कार्यविधि के बारे में जानकारी दी जाती है। साथ ही गाँव में वृक्षारोपण के प्रति सभी को जागरूक भी किया जाता है।

5. सत्संग समिति-

साप्ताहिक सत्संग का नियमित संचालन तथा सत्संग प्रमुख के प्रशिक्षण की उचित व्यवस्था का दायित्व इस समिति का है। इसके अतिरिक्त गाँव में समरसता का निर्माण हो, इसके लिए सत्संग में सभी जातियों की उपस्थिति की जाँच करते रहना भी इसका कार्य है।

6. महिला समिति –

गाँवों में महिला समिति की सक्रियता व्यसन मुक्ति के लिए होती है।

7. युवा समिति-

गाँव में आन्तरिक व वाह्य शोषण को रोकना युवा समिति का उत्तरदायित्व है।

8. संगठन समिति-

इसका मुख्य कार्य गाँव को एक साथ जोडकर रखना है। इसके लिए गाँव में तीन उत्सवों (राम महोत्सव, कृष्ण जन्माष्टमी व वार्षिकोत्सव) का नियमानुसार आयोजन करना अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त स्वावलंबन संग्रह तथा जागरण द्वारा गाँव में स्वाभिमान जगाना है।

समिति प्रवास

शरीर में रक्त प्रवाह के प्रतीक सेवाव्रती होते हैं। शक्ति के रूप में हड्डी, तंत्र के रूप में समिति सदस्य होते हैं। प्रथम श्रेणी के सेवाव्रती मास में 24 दिन का प्रवास करते हैं। इसी प्रकार प्रथम श्रेणी के समिति सदस्य मास में 4-5 दिन प्रवास करते हैं।
एकल अभियान में ग्राम संगठन के निम्न 6 श्रेणी के समिति सदस्य होते हैं-

1. केंद्रीय स्तर
2. प्रभाग स्तर
3. संभाग स्तर
4. भाग स्तर
5. अंचल स्तर
6. संच स्तर

संस्कार शिक्षा प्रमुख

प्रत्येक गांव से एक युवा या युवती को सत्संग को प्रभावी बनाने के लिए दो मास के प्रशिक्षण हेतु निकट के प्रशिक्षण केंद्र पर भेजा जाता है। वहाँ उसको भजन कीर्तन तथा प्रेरक प्रसंग सिखाए जाते हैं। इसके साथ-साथ परिवार मंगल अनुष्ठान का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। जिस परिवार के सदस्य समिति विस्तारक बनने को तैयार होते हैं। उस परिवार के मंगल हेतु यह अनुष्ठान किया जाता है।

प्रेरक कहानी

रानी लक्ष्मीबाई की अमर गाथा – नारी शक्ति की प्रेरक प्रतीक

1828 में वाराणसी में जन्मी रानी लक्ष्मीबाई बचपन से ही आत्मविश्वास और अदम्य साहस की प्रतीक थीं, जिसने उन्हें सामान्य बालिकाओं से अलग पहचान दी। युद्ध-कौशल में उनकी निपुणता यह सिद्ध करती है कि नारी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है।

विवाह के पश्चात वे झांसी की रानी बनीं, परंतु जीवन ने उन्हें कठिन परीक्षाओं से गुजरने का अवसर दिया। जब उनके पति राजा गंगाधर राव का निधन हुआ, तब अंग्रेजों ने "डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स" के माध्यम से झांसी को हड़पने का प्रयास किया। उस समय रानी की दृढ़ वाणी गूंज उठी– **"मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी।" यह केवल एक वाक्य नहीं था, बल्कि नारी स्वाभिमान, आत्मसम्मान और अधिकारों की रक्षा का उद्घोष था।**

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अपने पुत्र को पीठ पर बांधकर अंग्रेजों से युद्ध करना उनकी वीरता और मातृत्व का अद्वितीय उदाहरण है। 18 जून 1858 को रणभूमि में वीरगति प्राप्त करने के बावजूद, उनका बलिदान आज भी प्रेरणा देता है।

रानी लक्ष्मीबाई हमें सिखाती हैं कि सशक्त नारी ही सशक्त समाज का निर्माण करती है और हर महिला को अपने अधिकारों के लिए साहस के साथ खड़ा होना चाहिए। रानी लक्ष्मीबाई केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि नारी शक्ति, स्वाभिमान और अडिग साहस की अमर ज्योति हैं, जो युगों-युगों तक हमें प्रेरित करती रहेंगी।

एकल अभियान एक दृष्टि में

समाज परिवर्तन के लिए संघ ने बताए पंच परिवर्तन

कुटुंब प्रबोधन

पर्यावरण संरक्षण

स्व की पहचान

सामाजिक समरसता

नागरिक कर्तव्यों का पालन

आइए, हम सब अपने गांव घर बस्ती-मोहल्ले से करें इन पंच परिवर्तनों की शुरुआत।

महामहिम राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से भेंट एवं राष्ट्रपति भवन का भ्रमण

22 जनवरी 2026, गुरुवार को महिला विभाग, उत्तरी दिल्ली चैप्टर, भारत लोक शिक्षा परिषद की टीम ने महामहिम राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से भेंट की एवं राष्ट्रपति भवन का भ्रमण किया | इस कार्यक्रम में लगभग 14 महिलाओं ने सहभागिता की।
महामहिम राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने भारत लोक शिक्षा परिषद द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस अवसर पर श्रीमती दर्शना गोयल जी संरक्षक राष्ट्रीय महिला विभाग, प्रधान श्रीमती साधना गुप्ता जी एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती बिंदु मित्तल जी महिला विभाग उत्तरी दिल्ली चैप्टर ने राष्ट्रपति महोदया को एकल द्वारा देश के ग्रामीण, वनवासी एवं पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा, संस्कार एवं स्वावलंबन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण, बाल शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े अभियानों पर प्रकाश डाला।

मैक्सफोर्ट स्कूल के बच्चों द्वारा एकल विद्यालय का 'सोशल इम्पैक्ट स्टडी'

राष्ट्रीय महिला विभाग के नेतृत्व में श्रीमती सुषमा अग्रवाल जी (नार्थ दिल्ली महिला समिति सदस्य) के साथ 30 अक्टूबर 2025 को मैक्सफोर्ट स्कूल के 17 बच्चों ने एकल भवन में संचालित एकल नर्सरी स्कूल का भ्रमण किया। यह कार्य श्री राजेश मित्तल जी (प्रधान, उत्तरी दिल्ली चैप्टर) के प्रयास से हुआ।
बच्चों ने एकल विद्यालय का "सोशल इम्पैक्ट स्टडी" किया और समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा पहुँचाने के एकल अभियान के प्रयासों को निकट से समझा |

एकल समाचार

एकल भवन में मनाया गया गणतंत्र दिवस का पावन पर्व

26 जनवरी को 77वें गणतंत्र दिवस के इस पावन एवं गौरवपूर्ण अवसर पर एकल भवन, पीतमपुरा (दिल्ली) में बड़े ही उत्साह और देशभक्ति के भाव के साथ ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ध्वजारोहण के साथ ही राष्ट्रगान की गूंज ने पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।इस अवसर पर एकल नर्सरी विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत अत्यंत मनमोहक, रंगारंग एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी उपस्थित जनों का मन मोह लिया।

बच्चों की सुंदर प्रस्तुतियों, तिरंगे के प्रति उनका प्रेम एवं उनकी मासूम अभिव्यक्तियों ने कार्यक्रम को विशेष रूप से भावनात्मक और प्रेरणादायी बना दिया। उनके उत्साह और आत्मविश्वास ने यह संदेश दिया कि राष्ट्र का भविष्य सशक्त एवं संस्कारित हाथों में है। इस दौरान तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रीय एवं सामाजिक एकता का भी संदेश दिया गया।
यह आयोजन राष्ट्रप्रेम, संस्कार, एकता एवं सामाजिक समरसता के भाव को सुदृढ़ करने वाला रहा तथा सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

लेडीज़ सर्कल इंडिया द्वारा एकल नर्सरी स्कूल के बच्चों को कंप्यूटर सहयोग

10 फरवरी 2026 को एकल भवन में एक अत्यंत प्रेरणादायी एवं सार्थक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें "लेडीज़ सर्कल इंडिया" संगठन द्वारा एकल नर्सरी स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए 2 कंप्यूटर का सहयोग प्रदान किया गया। यह सहयोग बच्चों की शिक्षा को और अधिक आधुनिक एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।कार्यक्रम के दौरान श्रीमती शिशम साबरवाल जी (नेशनल प्रेसिडेंट, लेडीज़ सर्कल इंडिया) सहित संगठन की पूरी टीम ने एकल के बच्चों से आत्मीय संवाद किया।

बच्चों की सरलता, उत्साह एवं सीखने की ललक को देखकर वे अत्यंत प्रसन्न हुईं। साथ ही, एकल द्वारा किए जा रहे राष्ट्रनिर्माण एवं शिक्षा विस्तार के कार्यों को देखकर वे गहराई से प्रेरित भी हुईं।

यह कार्यक्रम श्री अखिल कुमार गुप्ता जी (राष्ट्रीय प्रधान, BLSP), श्री राजीव अग्रवाल जी (राष्ट्रीय महामंत्री, BLSP), श्रीमती माधुरी अग्रवाल जी (राष्ट्रीय उपप्रधान, राष्ट्रीय महिला विभाग) एवं श्रीमती ईशा जैन जी (सीईओ, एकल भारत) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

अपनत्व भरा एकल परिवार मिलन

दिल्ली में एकल परिवार मिलन का आयोजन अत्यंत उत्साह और आत्मीयता के साथ सम्पन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर एकल अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं, आचार्यों, सेवाव्रती भाइयों-बहनों एवं स्थानीय नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के दौरान सभी ने एकल विद्यालय के माध्यम से चल रहे शिक्षा, संस्कार एवं समाज विकास के कार्यों पर अपने अनुभव साझा किए।

यह मिलन न केवल संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि इसने सेवा कार्यों के प्रति नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार भी किया। एकल परिवार का यह संगम समाज के प्रत्येक वर्ग तक शिक्षा और संस्कार पहुँचाने के संकल्प को और सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ।

अंचल लखनऊ में महिला समिति की बैठक

लखनऊ अंचल में आयोजित महिला समिति की बैठक अत्यंत प्रेरणादायी एवं उपयोगी रही, जिसमें 12 स्कूलों का सहयोग भी प्राप्त हुआ।
बैठक के दौरान आगामी महिला वर्ग के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा, तथा व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया।
सभी बहनों ने अपने-अपने विचार एवं सुझाव साझा किए, जिससे कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी एवं सफल बनाया जा सके।

एकल विद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा नवोदय में चयनित

वैष्णवी जायसवाल
एकल विद्यालय की छात्रा

मैं एकल विद्यालय की छात्रा वैष्णवी जायसवाल हूँ। पहले मेरा मन पढ़ाई में नहीं लगता था और मैं अधिकतर समय बच्चों के साथ खेलते हुए बिताती थी।
रामपुर गाँव में आचार्या श्रीमती मंजरी देवी जी के मार्गदर्शन में मैंने एकल विद्यालय जाना शुरू किया। वहाँ खेल-खेल में पढ़ाई, भाषा और गणित की सरल शिक्षा, साथ ही योग और संस्कार सिखाए जाते थे, जिससे मेरी पढ़ाई में रुचि बढ़ने लगी।
एक दिन आचार्या जी ने नवोदय विद्यालय की परीक्षा के बारे में बताया। मैंने अपने माता-पिता से चर्चा की और उनकी प्रेरणा से तैयारी शुरू की। आचार्या जी ने मुझे विशेष रूप से मार्गदर्शन दिया, जिससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया।
मेहनत और लगन के साथ मैंने नवोदय परीक्षा दी और सफलता प्राप्त की। आज मैं नवोदय विद्यालय में पढ़ रही हूँ। मेरी इस उपलब्धि का पूरा श्रेय एकल विद्यालय, आचार्या जी और मेरे माता-पिता को जाता है।

प्रवास

S.N.	Area	Date	MC Member Name
1	Himachal, Nuh & Mathura	05.06.2025 06.06.2025	Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP) Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
2	California Pravas	21.07.2025	Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP) Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
3	Atlanta Pravas	10.08.2025	Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP) Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
4	West UP	28.09.2025	Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP) Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
5	Nuh, Mewat	29.10.2025	Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
6	Rudrapur	06.11.2025	Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP) Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
7	Uttarakhand (All Anchals)	17–22.11.2025	Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP) Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag
8	Jammu Chapter	26.11.2025	Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP) Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
9	Jammu (Akhnoor)	27.11.2025	Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP) Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
10	Punjab	28.11.2025	Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP) Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
11	Punjab	02.01.2026	Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
12	Nuh, Mewat	22.01.2026	Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP) Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
13	Bareilly	30.01.2026 31.01.2026	Sh. Akhil Gupta (National President BLSP), Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP), Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
14	Punjab (Firozpur)	07.02.2026 08.02.2026	Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP) Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)
15	South Himachal	05.03.2026 to 07.03.2026	Sh. Rajiv Aggarwal (National General Secretary BLSP) Smt. Madhuri Aggarwal (Vice President, National Mahila Vibhag)

चैप्टर्स के कार्य

हमारे राम कार्यक्रम
पूर्वी दिल्ली चैप्टर

मकर संक्रांति
उत्तरी दिल्ली चैप्टर

होली मिलन कार्यक्रम,
BLSP, EGF, SHSS, Ekal Bharat

आचार्य सम्मान समारोह
लखनऊ चैप्टर

रामायणम कार्यक्रम
दक्षिणी दिल्ली चैप्टर

आचार्य सम्मान समारोह
कानपुर चैप्टर

पुलवामा अमर शहीदों का सम्मान
उत्तरी दिल्ली चैप्टर

सिलाई सेंटर उद्घाटन
कानपुर चैप्टर

BLSP राष्ट्रीय महिला विभाग की उपलब्धियां (2025-26)

कार्य

- कुल बैठकें – 51
- कुल वनयात्राएं – 23
- कुल प्रवास -14
- कुल विद्यालय संग्रह – 629
- क्राउड फंडिंग – 4,63,300

विशेष

- कार्यकर्ता संपर्क
- डोनर रिलेशन
- President House Visit उत्तरी दिल्ली चैप्टर—महिला विभाग
- सैनिक सम्मान एवं परिवार संपर्क
- सेवाव्रती संक्रांति योजना - 1294 सेवाव्रती कार्यकर्ताओं
- मकर संक्रांति के अवसर पर आचार्य सम्मान योजना
- आचार्यों को 100% संक्रांति उपहार दिया गया

ग्राम संगठन से अनुभव कथन

श्रीमती मुकेश जी
महिला प्रमुख कार्यकर्ता
जम्मू

महिला विभाग से मुझे कार्य करने की नई ऊर्जा और दिशा मिली। इसमें हमने महिला विभाग के कार्य को बढ़ाने के महत्वपूर्ण तरीके सीखे। अब मैं अपने विभाग को प्राथमिकता देते हुए संभाग, भाग, आंचल एवं संच स्तर तक सभी महिला समितियों को सक्रिय कर विद्यालयों को स्वावलंबी बनाने का प्रयास करूंगी। जहां समितियां नहीं हैं, वहां उनका शीघ्र विस्तार भी करूंगी। इस नई ऊर्जा के साथ मैं अपने लक्ष्यों को जल्द पूरा करने के लिए संकल्पित हूं।

सुश्री प्रतेश्वरी जी
सह प्रभारी, प्रभाग -6
ग्राम संगठन महिला विभाग

एकल अभियान के उद्देश्यों को जमीन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं का एकजुट होकर कार्य करना अत्यंत आवश्यक है, जिसमें ग्रामीण समाज का सहयोग महत्वपूर्ण है। ग्रामीणों को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करना जरूरी है, तभी वे आगे चलकर आर्थिक रूप से भी सहयोग के लिए प्रेरित होंगे। अतः आवश्यक है कि ग्राम समिति को पहले सशक्त बनाया जाए और उन्हें संगठन से जोड़ने के लिए सुनियोजित प्रयास किए जाएं।

श्रीमती ममता शर्मा जी
महिला प्रमुख सेवाव्रती
कार्यकर्ता, हिमाचल

दिल्ली परिवार मिलन बैठक में आकर मुझे अत्यंत अच्छा लगा। इस बैठक के माध्यम से पिछले एक वर्ष में जो बातें छूट गई थीं, वे पुनः स्मरण हो गईं। यद्यपि मेरा कार्य क्षेत्र नया है, फिर भी मैं पूर्ण समर्पण के साथ अपना शत-प्रतिशत देने का प्रयास करूंगी। मैं सक्षम महिला समिति के निर्माण के लिए कार्य करूंगी तथा प्रत्येक समिति को उनके दायित्वों से अवगत कराऊंगी। शीघ्र ही दक्षिण हिमाचल संभाग से आपको संतोषजनक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का प्रयास करूंगी।

श्रीमती गुरप्रीत कौर जी
महिला प्रमुख सेवाव्रती
कार्यकर्ता, पंजाब

मैंने यह लक्ष्य लिया है कि मैं महिला विभाग के कार्य को प्राथमिकता दूंगी। हमारा उद्देश्य संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाना है, परंतु महिला विभाग में अभी बहनों की संख्या सीमित है। अगले तीन महीनों में मैं संभाग, भाग, अंचल एवं संच स्तर तक अधिक से अधिक सक्रिय बहनों को जोड़ने का प्रयास करूंगी और उनके साथ बैठकें आयोजित करूँगी—यह मेरा संकल्प है।

शहीदी दिवस

मैं जला हुआ राख नहीं, अमर दीप हूं,
जो मिट गया वतन पर मैं वो शहीद हूं।

भारत माता के वीर सपूतों को नमन

शहीदों का चरित्र – युवाओं के लिए जीवंत प्रेरणा

अमर शहीद श्री भगत सिंह जी -

भगत सिंह का व्यक्तित्व अद्भुत साहस, प्रखर बुद्धि और गहरी संवेदनशीलता का अनुपम संगम था। वे केवल क्रांति के प्रतीक नहीं थे, बल्कि विचारों के ऐसे योद्धा थे जिन्होंने अपने ज्ञान, लेखन और चिंतन से स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। 28 सितंबर 1907 को जन्मे भगत सिंह ने देश की आज़ादी के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया और 23 मार्च 1931 को हँसते-हँसते फाँसी पर चढ़कर अमर हो गए।

अमर शहीद श्री सुखदेव जी -

सुखदेव जी का चरित्र अनुशासन, संगठन और समर्पण का प्रतीक था। वे पर्दे के पीछे रहकर भी बड़े कार्यों को सफल बनाने में विश्वास रखते थे। उनका जीवन यह सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व दिखावे में नहीं, बल्कि टीम को साथ लेकर चलने में होता है। युवाओं को उनसे नि:स्वार्थ सेवा और जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा मिलती है।

अमर शहीद श्री राजगुरु जी -

राजगुरु जी का चरित्र वीरता, निडरता और अटूट आत्मविश्वास से भरा था। वे हर चुनौती का सामना हंसते-हंसते करते थे। उनका जीवन हमें बताता है कि जब मन में देशप्रेम और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो, तो डर अपने आप खत्म हो जाता है।

इनके विचार आज भी दिलों में क्रांति की ज्योति जगाते हैं उनका जीवन हमें यह भी सिखाता है कि अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदारी, देश के प्रति समर्पण और सच्चाई के लिए निडर होकर खड़े रहना ही असली देशभक्ति है |

आइए संकल्प लें —"हम केवल सफलता के पीछे नहीं, बल्कि सच्चाई, साहस और सेवा के रास्ते पर चलेंगे।" यही उन अमर शहीदों के चरित्र को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सैनिक सम्मान ----सम्पूर्ण भारतवर्ष

एकल अभियान द्वारा देशभर में वीर सैनिकों का सम्मान

भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम को समर्पित-

गौरव जिनके माथे पर है, शोभित हाथों में ध्वज है। उन ईश्वर रूपी वीरों का शौर्य गान मैं करता हूँ। जिन वीरों का तन मन सबकुछ देश के लिए समर्पित है।

हमारे सैनिक सीमाओं पर दिन-रात कठोर परिस्थितियों में रहकर राष्ट्र की रक्षा करते हैं। उनका त्याग, समर्पण और बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

इन सम्मान कार्यक्रमों के माध्यम से न केवल सैनिकों का अभिनंदन किया जा रहा है, बल्कि नई पीढ़ी के मन में राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और सम्मान का संस्कार भी रोपा जा रहा है। यह प्रयास समाज और सैनिकों के बीच आत्मीयता का एक सुंदर सेतु बना रहा है।

सैनिक सम्मान – जम्मू

संभाग-जम्मू, एकल अभियान द्वारा आयोजित सैनिक सम्मान कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से लगभग 300 से अधिक लोगों ने सहभागिता की। **इस अवसर पर राष्ट्र की सेवा में समर्पित 108 सैनिकों को सम्मान पत्रक प्रदान कर सम्मानित किया गया**। इनके साथ शहीद सैनिकों के 05 परिजनों को भी सम्मानित किया गया ।

संभाग-जम्मू द्वारा नौशेरा में 180 पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हजारों लोग उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर महंत संतोष दास मोनी महाराज जी ने सैनिकों के सम्मान को राष्ट्र की अस्मिता से जोड़ा।, इस अवसर पर वीर चक्र प्राप्त कैप्टन स्वर्ण सिंह सहित कई वीर सैनिकों को शॉल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की सफलता में कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

सैनिक सम्मान -नौशेरा, जम्मू

सैनिक सम्मान -उत्तराखंड

सैनिक सम्मान - हिमाचल

सैनिक सम्मान -पंजाब

संपादक की कलम से......

माधुरी अग्रवाल
राष्ट्रीय उपप्रधान,
राष्ट्रीय महिला विभाग

हमारा संकल्प –
हर गाँव, हर घर में रोशनी हो,
हर मन में ज्ञान और संस्कार
की ज्योति हो।

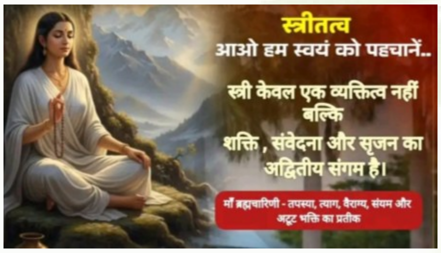

नारी शक्ति: संस्कार, सेवा और सशक्तिकरण का आधार

एकल परिवार की संपूर्ण कार्ययात्रा में महिला शक्ति का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी रहा है। नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज के संस्कार, शिक्षा और जागरूकता की सशक्त वाहक भी है।

आज आवश्यकता है कि हम अधिक से अधिक मातृशक्ति को इस अभियान से जोड़ें, उन्हें शिक्षित, जागरूक और सक्षम बनाएं, ताकि वे अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। एकल विद्यालयों के माध्यम से दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों में शिक्षा और संस्कार का जो दीप प्रज्वलित किया जा रहा है, उसमें महिला कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। वे न केवल बच्चों को शिक्षा दे रही हैं, बल्कि समाज में स्वास्थ्य, स्वच्छता, नारी शिक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश भी पहुँचा रही हैं।

आइए, हम सभी मिलकर इस संकल्प को और मजबूत करें कि हर महिला सशक्त बने, हर परिवार संस्कारित हो और हर गाँव प्रगति के पथ पर अग्रसर हो

एकल विद्यालय के लिए सहयोग

आईये अपने सपनों का भारत बनायें और स्वावलंबी, स्वाभिमानी भारत के नागरिक होने का गौरव प्राप्त करें।

एक एकल विद्यालय	₹ 30,000/- वार्षिक
50 एकल विद्यालय (परमवीर)	₹ 15,00,000/- वार्षिक
100 एकल विद्यालय (शतकवीर)	₹ 30,00,000/- वार्षिक
1000 एकल विद्यालय (महाशतकवीर)	₹ 30,000,000/- वार्षिक

भारत लोक शिक्षा परिषद् भारत सरकार के कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (IICA) के अंतर्गत CSR दान के लिए सूचीबद्ध है।

DONATE NOW

एकल विद्यालय में सीधे दान हेतु सम्पर्क करें-

Only For 80G:
Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C No: 467902050000186
Union Bank of India
Shalimar Bagh, Delhi
IFSC Code: UBIN0546798

Only for CSR:
Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C NO. 467902010123677
Union Bank Of India
Shalimar Bagh, Delhi
IFSC code: UBIN0546798

For More Info.

प्रकाशक : भारत लोक शिक्षा परिषद्
मुख्य संपादक – श्रीमती माधुरी अग्रवाल (राष्ट्रीय उपप्रधान, राष्ट्रीय महिला विभाग)

सेन्ट्रल ऑफिस : NS-15, FD Block, पीतमपुरा, दिल्ली- 110034
संपर्क सूत्र : 011 4752 3879, 9999399063, 8448386443, 7827208127
ई मेल : administration@blspindia.org, वेबसाइट : www.ekalblspindia.org

एकल विद्यालय
Bharat Lok Shiksha Parishad